भा.कृ.अनु.प.-रा.अ.अनु.के.-ई-प्रकाशन-२०१८/३

अनार: किसानों की आय दोगुनी करने के लिए एक फसल

-किसानों की सफलता की कहानियां

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंन्द्र

रा. राजमार्ग-६५, सोलापुर- पुणे राजमार्ग, केगांव, सोलापुर,
महाराष्ट्र - ४१३ २५५

ई-प्रकाशित: **निदेशक**
राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंन्द्र,
केगांव, सोलापुर (महाराष्ट्र) ४१३ २५५

संपादक: डी.टी. मेश्राम, एन. वी. सिंग, आशीष मयति, डी.टी. चौधरी, एस.एस. वडणे, दिनेश बाबू और ज्योत्सना शर्मा,

तकनीकी सहायता: युवराज शिंदे और महादेव गोगाँव

ई-प्रकाशन का वर्ष: २०१८

उद्धरण

डीटी मेश्राम, एनवी सिंह, डीटी चौधरी, एसएस वडणे, महादेव गोगाँव, के दिनेश बाबू और ज्योत्सना शर्मा (२०१८)। "अनार: किसानों की आय दोगुनी करने के लिए एक फसल-किसानों की सफलता की कहानियां", भा.कृ.अनु.प.-रा.अ.अनु.कें. ई-प्रकाशन-२०१८

अस्वीकरण

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक और कॉपीराइट धारक की लिखित अनुमति के बिना, इस दस्तावेज़ को किसी भी रूप में या माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फोटोग्राफी, माइक्रोफिल्मिंग रिकॉर्डिंग या सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली सहित पुन:उत्पन्न या उपयोग किया नहीं जा सकता है।

वेबसाईट: **http//www.nrcpomegranate.icar.gov.in**

प्रस्तावना

अनार की फसल भारत के शुष्क डेक्कन पठार क्षेत्र के लिए एक आदर्श फसल मानी जा सकती है। इसकी खेती भारत में अत्यधिक लाभकारी कृषि व्यवसाय बन गई है। जलवायु प्रतिकूलता, पानी की कम उपलब्धता में भी अधिक लाभ, बहुमुखी अनुकूलनशीलता, औषधीय गुणों तथा अधिक निर्यात क्षमता के कारण अर्द्ध शुष्क, उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अनार एक अत्यन्त लोकप्रिय फल है। भारत अनार उत्पादन और क्षेत्रफल में सम्पूर्ण विश्व में अग्रणी देश है। इंडियन हॉर्टिकल्चर डाटाबेस, २०१८-१९ के अनुसार, अनार की खेती २.३४ लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में कि जाती है तथा २८४५ हजार मेट्रिक टन का अनार उत्पादन इस क्षेत्रफल से होता है।

भारत में, अनार की बागवानी महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाती है तथा हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगना, छत्तीसगढ और मध्य प्रदेश में तेजी से बढ रही है एवं तमिलनाडु, मिजोरम, उड़ीसा, नागालैंड, लक्षद्वीप, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में चयनित क्षेत्रों में इसकी बागवानी की जाती है।

शुष्क तथा अर्ध -शुष्क क्षेत्रों में अनार किसान की आय दुगुनी करने के लिए एक उत्तम फसल है। इस के बढ़ते उत्पादन और उत्पादकता का मुख्य श्रेय देश के अनार के किसानों को जाता है, जो अनार के शोधकर्ताओं, तकनीशियन, नीति निर्माताओं और प्रशासकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अनार की बागवानी से जुड़े सम्मानित कृषि समुदाय की कड़ी मेहनत को पहचानने के लिए और अनुभवी अनार उत्पादकों की सफलता की कहानियों और नवाचारों को व्यापक रूप से प्रचारित और लोकप्रिय बनाने के लिए यह ई-प्रकाशन भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के द्वारा चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रकाशित किया गया है।

ज्योत्सना शर्मा

ज्योत्साना शर्मा
निदेशक (कार्यकारी)

सामग्री

अनु. क्र.	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
१	निर्यात योग्य अनार उत्पादन	५
२	अनार की नर्सरी और अनार बगीचे में अन्य फसलों के अंर्तरोपण की सफलता	६
३	भा.कृ.अनु.प.- रा.अ.अ.कें., सोलापुर के सहयोग से अनार की सफलता	७
४	अनार उत्पादन के लिए जैविक खेती	८
५	अनार के उत्पादन के लिए जल प्रबंधन और जैविक खेती	९
६	अनार के अच्छे उत्पादन के लिए जैविक खेती का उपयोग	१०
७	निरोगी और रोग मुक्त बगीचे के लिए एकीकृत प्रबंधन के तरीके	११
८	स्वस्थ और रोग मुक्त बगीचे के लिए प्रबंधन प्रथाएँ और उपाय	१२
९	अनार उत्पादन के लिए जैविक खेती	१३
१०	आर ओ संयत्र के उपयोग से निर्यात योग्य अनार का उत्पादन	१४

निर्यात योग्य अनार उत्पादन

व्यक्तिगत रूपरेखा

नाम	श्रीमान रवींद्र धनसिंग पवार
आयु	५५ वर्ष
शिक्षा	८ वीं
पता	
में: सातमाने, पोस्ट. रावलगाँव; ता. मालेगाँव, जि. नासिक	
संपर्क	९८२३०६८६६६

खेत विवरण

कुल खेती क्षेत्र	७० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	४५ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	२५ एकड़ द्राक्षे
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	८०,०००-९०,००० रुपये
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• मैं श्रमिक का काम करता था और पैतृक भूमि ५ एकड़ थी। इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें बाजरी, मूंगफली आदि थीं, जिससे वार्षिक आय/ मुनाफा रुपये ७०,००० से ८०,००० था।	• अब मेरे पास ७० एकड़ खेती योग्य जमीन है तथा ६० लाख का घर, इनोवा कार, ३ ट्रैक्टर और ट्रैक्टर चलित सभी कृषि उपकरण हैं। केवल अनार से प्रति वर्ष २-३ करोड़ रुपये कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- १९८५ में, मिट्टी मे अनार के पौधों का रोपण १४ x १४ फीट के अंतर पर २ एकर क्षेत्र मे किया गया था और पहले वर्ष में हमें ११ हजार रुपये की आय मिली थी और दुसरे वर्ष मे ३३ हजार रुपये कि आय मिली है।
- मेरे अनार के बगीचे में जैविक खादों का उपयोग अधिक मात्रा में किया, जिससे पौधों का विकास और उत्पादन क्षमता काफी मात्रा मे बढ़ी है।
- फल विकास, उचित आकार और रंग के लिए, हम पूरे पेड़ को जाल/ नेट से आवरण करते हैं और पिछले ५ वर्षों से अनार का निर्यात कर रहा हूँ।
- श्री. संपत विष्णु मोरे को अपने खेती का आदर्श (गुरु) के रूप में मानता हूँ।

अनार की नर्सरी और अनार बगीचे में अन्य फसलों के अंर्तरोपण की सफलता

व्यक्तिगत रूपरेखा

नाम	श्रीमान सुभाष किसनराव टेकाड़े (पाटील)
आयु	६६ वर्ष
शिक्षा	१० वीं
पता	
में: पिंपलगाँव (डोला); पोस्ट: भर्सिरपुरा; ता: कलंब; जिला-उस्मानाबाद (४१३ ५०७)	
संपर्क	९७६३४७४८६८

खेत विवरण

कुल खेती क्षेत्र	१८ एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	५ एकड़ और नर्सरी के लिए १४०० पौधे
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	१३ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	७०,०००-८०,००० रुपये

अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पहलें मैं ट्रक ड्राइवर था और माता-पिता की केवल ५ एकड़ जमीन थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें ज्वार, चना, तूर आदि थीं, जिनकी वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ६०००० से ७०००० था।	• मैंने सन २००१ में श्री रमेश खर्चे के मार्गदर्शन में अनार की खेती करनी शुरू की। • शुरूआती मे अनार की नर्सरी से १५-१६ लाख का लाभ मिला और अभी प्रति वर्ष रु ३० से ३५ लाख कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- सन २००१ में, मैं अनार की खेती करने लगा और दो साल के बाद मुझे उससे रु १५-१६ लाख मुनाफा मिला।
- शुरुआत से अब तक तेलिया रोग की बीमारियों का कोई प्रसार नहीं है।
- ट्रैक्टर मशीनों, पावर टिलर आदि से बगीचे को स्वच्छ रखता हूँ।
- ५ किलो प्रति पौध वर्मी कम्पोस्ट कि खाद के इस्तेमाल से उत्पादन में इजाफा आया।
- मैंने सन २००१ में श्री रमेश खर्चे के मार्गदर्शन से अनार की खेती करनी शुरू की।
- अनार के बगीचे में तरबूज, गोभी और गेहूँ का अंर्तरोपण करता हूँ।

भा.कृ.अनु.प.-रा.अ.अनु.के., सोलापुर के सहयोग से अनार की सफलता

व्यक्तिगत रूपरेखा

नाम	श्रीमान दादासाहेब बजरंग अहिरे
आयु	५४ वर्ष
शिक्षा	७ वीं
पता	
में: पोस्ट: निर्मल पिंपरी, तालुका: राहता, जिला: अहमदनगर	
संपर्क	९७३०३८०७३०

खेत विवरण

कुल खेती क्षेत्र	७ एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	२ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	५ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	२०,००० से २५,००० रुपये
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पैतृक भूमि सिर्फ २ एकड़ थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें ज्वार, तूर, आदि थीं, जिनसे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ७०,००० से ७५,००० था।	• अभी ५० लाख का घर है, साथ मैंने कार भी खरीदी है और ये सब अनार की खेती से ही कर पाया। • केवल अनार से प्रति वर्ष रु ४०-४५ लाख कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- मैंने सन २००१ में नया अनार का वृक्षारोपण किया और स्वस्थ अनार के पौधों को रोपण के लिए चुना और ३३० पौधों का रोपण १२ x १३ फीट पर खेती किया।
- जैविक खादो के बढ़ते उपयोग के कारण बहुत उत्पादन मिला।
- अकाल की स्थिति के तहत, अनार का वृक्षारोपण शुरू किया और १२ वर्षों तक टैंकर से पानी दिया उससे अच्छा उत्पादन भी प्राप्त किया।
- सन २००९ में, पौधों के पत्ते पर पीले धब्बों का प्रसरण हुआ था उस के नियंत्रण के लिए भा.कृ.अनु.प.-रा.अ.अनु.के., सोलापुर द्वारा जानकारी प्रदान की गई और उसे सफलतापूर्वक नियंत्रण कर अच्छी कमाई कर रहा हूँ।

अनार उत्पादन के लिए जैविक खेती

व्यक्तिगत रूपरेखा	
नाम	श्रीमान पुरुषोत्तम अनिरुद्ध चव्हाण
आयु	३४ वर्ष
शिक्षा	१० वीं
पता	
में.पोस्ट: चोरांबा; ता: धारूर (किले); जिला-बीड	
संपर्क	९०९६९६१७५५

खेत विवरण	
कुल खेती क्षेत्र	१० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	५ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	५ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	रु २०,०००-२५,०००/-
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पहिले मैं श्रमिक था और माता-पिता कि खेती भी सिर्फ १.५ एकड़ थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें ज्वार, चना, तूर आदि थीं, जिससे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ४०,००० से ५०,००० था।	• मुझे अनार लगाने कि प्रेरणा सुभाष टेकाडे पाटील साहब के वजह से मिली। • अनार के उत्पादन के कारण ६ बोर और २ खुले कुएं खोदें है और ९ एकड़ जमीन खरीदी गई है। • अनार के उत्पादन के कारण, हमने मोटर साइकिल, कार, ट्रैक्टर और एचटीपी खरीदा है। • ५ एकड़ अनार मे से प्रति वर्ष रु ३०-४० लाख कमाता हूँ। • १४०० पौधो की नर्सरी से रुपये ८-१० लाख मुनाफा मिला है।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- मैंने २००८ में नया अनार का वृक्षारोपण ५ एकड़ मे किया और स्वस्थ अनार के १४०० पौधे रोपण के लिए चुना।
- जैविक खादो का उपयोग ज्यादा किया जिससे पिछले दस वर्षों में भारी पैदावार मिली है।
- सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली से पानी देता हूँ और इसलिए अनार के पौधों में पानी की कोई कमी नहीं है।

अनार के उत्पादन के लिए जल प्रबंधन और जैविक खेती

व्यक्तिगत रूपरेखा	
नाम	श्रीमान दत्तात्रय भगवान कोलवले
आयु	३२ वर्ष
शिक्षा	१२ वीं
पता	
में.पोस्ट: अजनाले; ता: सांगोला; जिला-सोलापुर (४१३ ३०८)	
संपर्क	९०९६७२३५०३

खेत विवरण	
कुल खेती क्षेत्र	१६ एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	१४ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	०२ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	१.५ लाख रुपये

अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• एचटीपी के यांत्रिक काम और मोटर साइकिल मैकेनिक का कार्य करता था और पैतृक भूमि केवल २ एकड़ थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें शिमला मिरची, जवार, तूर आदि थीं, जिनकी वार्षिक आय/मुनाफा रुपये ६५,००० से ७०,००० था।	• मैंने अनार लगाने के बाद १३ एकड़ भूमि खरीदी है और महिंद्रा कंपनी कि गाड़ी भी खरीदी है। अभी केवल अनार से प्रति वर्ष रु ३०-४० लाख कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- सन १९९५ में, गणेश प्रजाति के ३०० पौधे लगाए गए थे।
- एक एकड़ क्षेत्र में १३ x ९ फीट की दूरी पर पौधों को लगाया गया और दो प्रक्षेत्र तालाब का निर्माण किया जिनकी कुल क्षमता १.५ करोड़ लीटर है।
- हमेशा मैं हस्त बहार ले रहा हूं और में जैविक खेती का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करता हूँ।
- मुझे श्रीमान राजू पाटील से प्रेरणा मिली,

अनार के अच्छे उत्पादन के लिये जैविक खेती का उपयोग

व्यक्तिगत रूपरेखा

नाम	श्रीमान लालासाहेब बापूराव सूर्यवंशी
आयु	५५ वर्ष
शिक्षा	१० वी
पता	
मैं. पोस्ट: खांदोडवाडी, ता. आटपाडी, जि. सांगली (४१६ २०९)	
संपर्क	९०७५४३१८४०

खेत विवरण

कुल खेती क्षेत्र	33 एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	१० एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	१० एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	१.५ लाख रुपये
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पैतृक भूमि १.५ एकड़ थी और पहले मजदूर के रूप में काम करता रहता था। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें कपाश, जवार, तूर आदि थीं, जिनसे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ५०,००० से ५५,००० था।	• अब अनार के कारण मेरे पास ३३ एकड़ जमीन है। • केवल अनार से प्रति वर्ष रु ८०-८५ लाख कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- प्रारंभ में, सन १९९४-२००० तक, गणेश प्रजाति/किस्म के अनार की खेती थी और उसके बाद सन २००० में मैंने भगवा नाम की किस्म लगाई उसमें पौधों का अन्तर १२ x १२ फीट पर रखा गया था।
- २.५ करोड़ लीटर क्षमता के प्रक्षेत्र तालाब के निर्माण के लिए ८ लाख रुपये खर्च किया।
- मैं ४० किलोग्राम गोबर की खाद, १० किलोग्राम नीम की खली, ५ किलो ग्राम गन्ना बैगास और ४–५ किलोग्राम गन्ना पाचट जैसे अजैविक उर्वरकों का उपयोग करता हूँ।

निरोगी और रोग मुक्त बगीचे के लिए एकीकृत प्रबंधन के तरीके

व्यक्तिगत रूपरेखा	
नाम	श्रीमान कृष्णा यामानाप्पा सालापर
आयु	४० वर्ष
शिक्षा	बीए बीएड
पता	
मैं.चीक्का समासी; पोस्ट: कलादागी होबली, ता. बागलकोट, जि. बागलकोट	
संपर्क	७८९२००३४७४, ८१०५५५९१३२

खेत विवरण	
कुल खेती क्षेत्र	३० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	९ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	२१ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	वर्तमान स्थिति मे १.१२ लाख रुपये लगता है और धीरे-धीरे सन २०१२ से १.७५ लाख रुपये से कम हो रहा है
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• इससे पहले उगाई जाने वाली फसल गन्ना थी, जिनकी वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ७५,००० था।	• अनार लगाने से पिछले ३ वर्षों में ३ लाख प्रति एकड़ और अधिकतम ६ लाख कमाई की गई है। अभी केवल अनार से प्रति वर्ष रु ४०-४५ लाख कमाता हूँ। • एफपीओ में सदस्य सचिव भी बना तथा विभिन्न कृषक मेला में प्रगतिशील किसान के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर और यूएचएस, बागलकोट की एकिकृत रोग एवं किट पीड़क प्रबंधन रणनीतियों को अपनाया।
- कृत्रिम रसायनों और एंटीबायोटिक के कम उपयोग के लिए जैव-कीटनाशकों का उपयोग किया है।
- कीट, बीमारियों और स्वच्छ खेती के प्रबंधन के लिए अधिक निवारक रणनीतियों का उपयोग किया है।
- निजी सलाहकारों की सहायता के बिना अनार और उत्पादन के लिए केवल अनुशंसित रसायनों और उर्वरकों का उपयोग किया है।

स्वस्थ और रोग मुक्त बगीचे के लिए अच्छा प्रबंधन प्रथाऐ और उपाय

व्यक्तिगत रूपरेखा

नाम	श्रीमान भागवत उत्तम पवार
आयु	५४ साल
शिक्षा	१२ वीं
पता	
में पोस्ट: तामशीदवाडी; तालुका: मालसीरस जिला: सोलापुर (४१३ १०१)	
संपर्क	९८२२९४४९४९

खेत विवरण

कुल खेती क्षेत्र	७० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	१२ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	५८ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	१.५ लाख रुपये

अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• अनार से पहले, मैं हुंडी करि (बिजनेस) करता था और पिता किसी अन्य खेत में पर्यवेक्षक के रूप में काम करते थे। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसल ज्वार, गन्ना, आदी थे जिनसे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ९०,००० से ९५,००० थी।	• उसके बाद, हमें १२३० पौधे से लगभग ९०-९५ लाख रु पिछले ३ से ४ साल में मिले और उसके बाद अनार के कारण बहुत प्रगति कर रहा हूँ। • अनार उत्पादन के कारण नीम कि खली बनाने की फैक्ट्री भी शुरू की है।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- शुरुआत में सन १९८९ में गणेश किस्म का अनार लगाया गया था, और सन १९९९ मे भगवा किस्म के पौधे १५ x १० फीट पर १ एकड़ क्षेत्र मे लगाए।
- २.७५ करोड़ लीटर क्षमता के साथ २ एकड़ प्रक्षेत्र पर तालाब बनाया और इसके लिए २६ लाख रुपये ख़र्च किए गए और उसपर अभी बिना बिजली यानी की ११ एकड़ जमीन को गुरुत्वाकर्षण बल से सिंचाई प्रदान की जा रही हैं।
- नए सफेद जड़ के लिए फॉस्फरस और पोटाश की अधिक मात्रा का उपयोग करता हूँ और तेल्या रोग को नियंत्रित करने के लिए वायुमंडलीय मांग के आधार पर पानी की मात्रा उचित रूप में देता हूँ।
- मैं कालीसेना और जोश का इस्तेमाल करता हूँ और यह पाया कि, इसके इस्तेमाल से न केवल मर रोग की बीमारी नियंत्रित हुई बल्कि अनार की सफेद जड़ों को बढ़ाने में मदद मिली।
- मैं केवल यूरोप में अनार का निर्यात करता हूं, इसलिए मुझे बहुत पैसा मिलता है और हमेशा हस्त बहार लेते हैं।

अनार उत्पादन के लिए जैविक खेती

व्यक्तिगत रूपरेखा	
नाम	श्रीमान राजेंद्र सीताराम येवले
आयु	२६ साल
शिक्षा	एम. एससी. एग्री (कीटकशास्त्र)
पता	
में पोस्ट: मल्हारवाडी; तालुका: राहुरी; जिला: अहमदनगर (४१३ ७०५)	
संपर्क	७९७२३०९५१४

खेत विवरण	
कुल खेती क्षेत्र	७० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	४० एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	३० एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	१.६० लाख रुपये
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पैतृक भूमि ५ एकड़ थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसल प्याज, तरबूज, आदी थे जिनसे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये ४ से ५ लाख था।	• अब अनार के कारण मेरे पास ७० एकड़ जमीन, ५० लाख का घर, स्कोरपिओ गाड़ी, ३ ट्रैक्टर और सभी ट्रैक्टर चलित यंत्र भी है। • केवल अनार से प्रति वर्ष रु ३ करोड़ कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- जैविक खाद के इस्तेमाल के परिणामस्वरूप कीटनाशक अवशेष मुक्त फल का उत्पादन मिला हैं।
- अनार की फसल की सिंचाई के लिए ४ किमी से मुला बांध से पानी की पाइप लाइन की है (१.८० करोड़ लिटर)
- खेती में नए रोपण करने के लिए नर्सरी से रोग मुक्त पौधे का इस्तेमाल किया था।
- स्प्रेइंग, डस्टिंग, स्लरी एप्लिकेशन और इंटरकल्चरल गतिविधियों ट्रैक्टर से तत्काल करता हूँ।
- परागण और बेहतर फल सेट और फल प्रतिधारण के लिए शहद मधुमक्खी के भ्रमण को बढ़ावा देता हूँ।
- जैविक खाद: १५ टन प्रति एकड़- पहले २ साल और २२ टन प्रति एकड़ - तीसरे साल के पौधों को देता हूँ।

आर ओ संयंत्र के उपयोग से निर्यात योग्य अनार का उत्पादन

व्यक्तिगत रूपरेखा	
नाम	श्रीमान राहुल अमृता रसाल
आयु	३० साल
शिक्षा	अग्री डिप्लोमा
पता	
मैं.पोस्ट: निघोज, ता. पारनेर, जिला. अहमदनगर	
संपर्क	९७६६५५०३२४

खेत विवरण	
कुल खेती क्षेत्र	६० एकड़
अनार के तहत कुल क्षेत्रफल	१३ एकड़
अन्य फसलों के तहत कुल क्षेत्रफल	४३ एकड़
खेती की लागत/ एकड़ / वर्ष	१.५ लाख रुपये
अनार की खेती के पहले	**अनार की खेती के बाद**
• पैतृक भूमि २० एकड़ थी। • इससे पहले उगाई जाने वाली फसलें प्याज, तरबूज, अंगूर आदि थीं, जिनसे वार्षिक आय / मुनाफा रुपये २.५ लाख मिलता था।	• अभी मेरी ६० एकड़ खेती और ४० लक्ष का मकान, ट्रैक्टर और सभी ट्रैक्टर चलित यंत्र भी है। • केवल अनार से प्रति वर्ष रु ४८-५० लाख कमाता हूँ।

प्रौद्योगिकि का विवरण

- १९९० में, पिता ने १ एकड़ अरक्ता किस्म और १ एकड़ गणेश किस्म का अनार लगाया और फिर १९९९ में, ३ एकड़ भगवा किस्म का अनार लगाया।
- सिंचाई के उद्देश से, २००० टीडीएस और ९ पीएच पानी का इस्तेमाल फसलों की खेती के लिए किया गया था, जिसके लिए मैंने १००० लीटर प्रति घंटे के आर ओ संयंत्र की स्थापना की उससे ५० टीडीएस और ६.९ पीएच पानी मिलता है और उसका इस्तेमाल मै सिर्फ छिड़काव के लिए करता हूँ।
- पानी के कारण, अभी छिड़काव पर कुल खर्च लगभग ३० प्रतिशत कम हो रहा है और उस पानी का परिणाम भी अधिक प्रभावी हैं।
- मैंने अपने क्षेत्र में मौसम का उपकरण स्थापित किया हैं ताकि मैं पहले से ही मौसम के पूर्वानुमान प्राप्त कर सकूं, मुझे पहले खेत पर निर्णय लेने में मदद मिलती है, और इससे मुझे फायदा होता है कि अगर मैं बीमारी और कीटों की घटनाओं को समझता हूं, प्रचलित माहौल में बदलाव के लिए मैं छिड़काव लागत और स्प्रेइंग शेड्यूल भी बदल कर सकता हूं।
- पहले, मेरी भूमि का जैविक कार्बन ०.४० था, लेकिन अब यह १.४० है, इस तथ्य के कारण कि बायोगैस स्लरी में ऑक्सीजन का ५ मिली ग्राम स्लरी **फर्मेंटर** का उपयोग करके उसका उपयोग खेत के लिए किया जाता है।
- उसके बाद मैंने भगवा किस्म का अनार निर्यात शुरू किया और उसके कारण मेरी परिस्थिती बहुत अच्छी हुई।
- अनार के कारण २०१० में, पड़ोसी गाँव में, ४० एकड़ जमीन खरीदी और विकसित की गई है, उस खेत में १ करोड़ लीटर क्षमता का तालाब बनाया गया और १० एकड़ अनार लगाया गया हैं।